जर्मन स्कूल प्रणाली क्या है ?

क्या आपके स्कूली आयु के बच्चे हैं ? यहाँ आपको विभिन्न शिक्षा प्रणालियों और स्कूलों के बारे में संक्षिप्त विवरण मिल जाएगा और कुछ सहायता निर्देश भी मिल जायेंगे कि आप जर्मनी में अपने बच्चे की सफल स्कूली शिक्षा को कैसे कर सकते हैं:

GOETHE INSTITUT

स्कूल की शिक्षा शुरू हो चुकी है — हाँ

प्रमाणन एवं नियोजन

इस प्रक्रिया एवं आपके प्रदेश में इसके लिए उत्तरदायी सर्टिफिकेट प्रमाण केंद्र के बारे में जानकारी के लिए **www.anabin.kmk.org.**

पर जाएँ। यदि कोई स्कूल प्रमाण-पत्र नहीं दिया गया है तो आपकी संतान को बिना किसी आधिकारिक मान्यता के भर्ती किया जा सकता है। इसके लिए संबंधित स्कूल अधिकारी स्कूल के प्रबंधन के साथ विचार-विमर्श करके निर्णय लेते हैं। कक्षा निर्धारण सामान्यतया परीक्षण कक्षा (ट्रायल क्लास) के बाद होता है।

नहीं

मेरी संतान की उम्र
अ < 5 वर्ष से कम है
ब > 5 वर्ष से ज्यादा है

अ

ब

स्कूल की तैयारी

डे केयर स्कूल (कीटा)

3 वर्ष से ज्यादा (कुछ जगहों पर इससे कम उम्र के भी)उम्र के बच्चे नर्सरी स्कूल या कीटा में जा सकते हैं। यहाँ आपके बच्चे का अन्य बच्चों के साथ सामाजिक संपर्क स्थापित होता है और वह खेलते-खेलते जर्मन भाषा सीख लेता है।

देखभाल के प्रकार का संक्षिप्त विवरण **www.bildungsserver.de** पर मिलेगा।

शिक्षण परियोजनाओं और कीटा के विवरण के लिए **www.kita.de** पर जाएँ।

स्कूल डे केयर(कीटा) के बारे में सामान्य जानकारियों और चेकलिस्ट के लिए **www.bamf.de** पर जाएँ।

बच्चों और माता-पिता के लिए कार्यक्रम

प्रवासी परिवारों के माता-पिताओं और बच्चों के लिए विशेष प्रस्ताव हैं जो जर्मन स्कूल प्रणाली को समझने और भाषा को सुधारने में सहायता करते हैं।

जर्मन भाषा के कार्यक्रम एवं एकीकरण पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी के लिए **www.bamf.de** पर जाएँ।

माता-पिता के लिए शिक्षण विकल्पों के लिए **www.bildungsserver.de** पर जाएँ।

माता-पिता द्वारा भाषा संबंधित सहयता के विकल्पों के लिए **www.familienhandbuch.de** पर जाएँ।

अपनी मूल भाषा का संरक्षण

स्कूल में और कार्य क्षेत्र में विदेशी भाषा फायदेमंद हो सकती है। इसलिए बच्चे की अपनी मूल भाषा के ज्ञान को बनाए रखिये। इस सम्बन्ध में जानकारियों के लिए **www.bamf.de** पर जाएँ।

पंजीकरण एवं कक्षा नामांकन परीक्षा

विशेष सहायता आवश्यकता

किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या सेंसरी योग्यता होने की स्थिति में आपके बच्चे को विशेष विद्यालय में भेजा जाएगा। विशेष शैक्षणिक सहायता की आवश्यकता है या नहीं, यह निर्णय एक विशेष प्रक्रिया के बाद स्कूल प्रबंधन निर्णय लेगा।

आपके निवास स्थान के लिए कौन सा प्राथमिक विद्यालय (ग्रुंडशुले) चिन्हित है और क्या आप स्वयं इसे चुन सकते हैं, साथ ही इसी प्रकार की नामांकन संबंधित जानकारियाँ आपको स्कूल प्रबंधन, नगर प्रशासन या अपने प्रदेश की सांस्कृतिक मंत्रालय की वेबसाइट पर मिल जायेंगीं। पंजीकरण करते समय आपको स्कूल के डॉक्टर के साथ नामांकन के लिए वर्गीकरण परीक्षा का भी नियत समय (अपॉइंटमेंट) मिलता है।

नामांकन परीक्षा

यह परीक्षा इस बात को सुनिश्चित करने के लिए की जाती है कि आपके बच्चे को किसी विशेष मामले में कोई सहायता की ज़रूरत तो नहीं है। स्कूल का डॉक्टर आपके बच्चे की शारीरिक क्षमता, मानसिक क्षमता और प्रवासन पृष्ठभूमि के मामले में विशेषतौर पर जर्मन भाषा के ज्ञान की परीक्षा करते हैं।

प्राइमरी स्तर - प्राथमिक विद्यालय (ग्रुंडशुले)

माता-पिता की पहल

आप सक्रिय रूप से बच्चों की स्कूल की दिनचर्या निर्धारित कर सकते हैं। इसके लिए आप स्कूल की समितियों, जैसे स्कूल की अभिभावक समिति के सदस्य बनें।

अलग-अलग प्रदेशों में ग्रुंडशुलेकी अवधि 4 से 6 साल की होती है। ये आपके बच्चे के स्कूल के शुरुआत के वर्ष हैं- उसके अनुभवों में शामिल होइये ! यह जानने के लिए कि आपके बच्चे का कक्षा में और सहपाठियों के साथ कैसा सामंजस्य है, माता-पिता व शिक्षकों की भेंट के लिए निश्चित शाम के प्रस्ताव का लाभ उठाइये।

अंतिम वर्ष में यह निर्णय किया जाता है कि स्कूल का प्रगति-क्रम आगे कैसा चलेगा। आपके बच्चे के अंकों और व्यक्तिगत मूल्यांकन के आधार पर इसके ग्रुंडशुले के शिक्षक एक योग्यता अनुशंसा देते हैं।

आगे के स्कूलों का चयन

अपने बच्चे और उसके शिक्षक के साथ ध्यान से बात कीजिये कि किस प्रकार का स्कूल उसके लिए ठीक रहेगा। इसके अतिरिक्त कुछ प्रदेशों में परीक्षण के लिए कक्षा का विकल्प भी है।

विभिन्न प्रकार के स्कूलों के बारे में जानकारी के लिए **www.kmk.org** और **www.bmbf.de** पर जाएँ।
स्कूलों के प्रकार के संवादात्मक ग्राफिक के लिए **www.bpb.de** पर जाएँ।
स्कूलों के चयन के लिए चेकलिस्ट के लिए **www.bamf.de** पर जाएँ।

माध्यमिक स्तर (सेकेंडरी लेवल)

हर प्रदेश में स्कूलों के अलग-अलग प्रकार होते है पर समान्यतया तीन प्रकार की स्कूली शिक्षा होती है : हाउप्टशूलआबश्लुस(अर्थात क्वाली), रेयालशूलआबश्लुस और आबीटूअरा कुछ स्कूलों में (गेज़ाम्टशुले) में दो भी या तीनों प्रकार का प्रमाण-पत्र हासिल किया जा सकता है।

माध्यमिक स्तर I आगे ले जाने वाले स्कूल

क्या मैं सही पथ पर हूँ ?

यदि यह पता चलता है कि आपकी संतान अपने चयनित स्कूल में क्षमता से अधिक दबाव महसूस कर रही है या सब कुछ क्षमता से बहुत आसान है तो सैद्धांतिक रूप से यह संभव है कि स्कूल को बदल लिया जाय। अपने बच्चे को गृह-कार्य में मदद करने से लाभ होता है। उससे यह पता चलता है कि आपका बच्चा कक्षा में कैसा चल रहा है।

ग्युमनाज़ियुम

मिटलरे राइफे
ग्युमनाज़ियुम दसवीं कक्षा तक, बिना परीक्षा के

रेयालशूले

रेयालशूलआबश्लुस
दसवीं कक्षा के बाद एक परीक्षा द्वारा

हाउप्टशूले

हाउप्टशूलआबश्लुस
या नवीं कक्षा के बाद योग्यता से समापन

क्वाली

कुछ प्रदेशों में योग्यता प्राप्त हाउप्टशूलआबश्लुस होता है। यह परीक्षा नवीं कक्षा के अंत में होती है। क्वाली करना ज़रूरी नहीं है पर इससे अप्रेंटिसशिप मिलने में आसानी होती है।

माध्यमिक स्तर II
अ डिग्री के लिए अध्ययन या ब व्यावसायिक प्रशिक्षण

अ

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा (ग्युमनाज़ियाले ओबेरश्टुफे) और अन्तर्वर्ती काल (यूबरगांगशुले) (उदा : FOS)

दसवीं कक्षा में ग्युमनाज़ियुम में पढ़ना यानी रेयालशूलआबश्लुस करने से आप इसके योग्य हो जाते हैं।

ब

व्यावसायिक प्रशिक्षण

(दोहरे स्तर का या सिर्फ स्कूली)
सभी प्रकार के स्कूलों के बाद आप इसके योग्य होते हैं।

प्रशिक्षण के लिए सहयता

BAföG के लिए आवेदन कर सकती है। यह आगे की पढ़ाई के लिए भी लागू है पर इसकी आधी राशि वापस करनी पड़ती है। प्रवासियों के लिए नियम एवं शर्तों सम्बंधित जानकारियों के लिए **www.bafoeg.de** पर जाएँ।

अन्तर्वर्ती काल (यूबरगांगशुले) (उदा : BOS)

प्रशिक्षण कर लेने के बाद भी यह संभव है कि उच्चतर स्कूली शिक्षा ली जा सके और आगे डिग्री के लिए अध्ययन किया जा सके। विश्वविद्यालय में प्राप्त की गयी डिग्री से आपकी बहतर नौकरी की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

सामान्य विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने की योग्यता (आबीटूअर)

विषय-विशेष में विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने की योग्यता (फाखआबीटूअर)

Europäische Union

Europa fördert
Asyl-, Migrations-, Integrationsfonds

यह परियोजना (एसाइलम, माइग्रेशन एंड इंटीग्रेशन फण्ड) शरणार्थी, प्रवासन व एकीकरण निधि से सह -वित्तपोषित है।